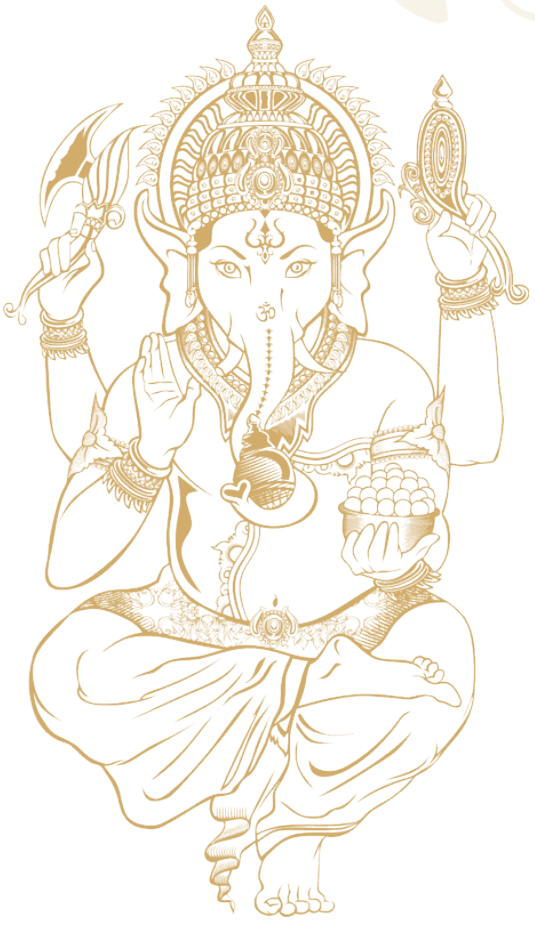

Riahbh Aarti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120901503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/05/1995	जन्म तिथि	12-13/02/1996
शनिवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 06:00:00	जन्म समय	06:50:00 घंटे
घटी 00:26:20	जन्म समय(घटी)	59:04:04 घटी
India	देश	India
Beawar	स्थान	Gwalior
26:02:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
74:02:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:33:52	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:27	सूर्योदय	06:56:06
19:10:48	सूर्यास्त	18:07:29
23:47:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:17

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 3मा 14दि	29:56:37	मेष	लग्न	मक	26:59:03	शनि 11वर्ष 3मा 24दि
गुरु	28:00:48	मेष	सूर्य	मक	29:48:37	केतु
27/08/2015	02:18:16	तुला	चंद्र	वृश्चि	08:43:31	07/06/2024
27/08/2031	00:48:54	सिंह	मंगल	कुंभ	04:16:02	08/06/2031
गुरु 14/10/2017	19:25:20	वृष	बुध	मक	03:55:50	केतु 03/11/2024
शनि 26/04/2020	19:05:11	वृश्चि व	गुरु	धनु	14:52:19	शुक्र 04/01/2026
बुध 02/08/2022	01:25:01	मेष	शुक्र	मीन	10:51:40	सूर्य 11/05/2026
केतु 09/07/2023	28:36:57	कुंभ	शनि	कुंभ	29:36:09	चन्द्र 10/12/2026
शुक्र 09/03/2026	11:47:39	तुला	राहु व	कन्या	24:55:25	मंगल 09/05/2027
सूर्य 26/12/2026	11:47:39	मेष	केतु व	मीन	24:55:25	राहु 26/05/2028
चन्द्र 26/04/2028	06:39:18	मक व	हर्ष	मक	08:02:24	गुरु 02/05/2029
मंगल 02/04/2029	01:41:41	मक व	नेप	मक	02:28:19	शनि 11/06/2030
राहु 27/08/2031	05:38:43	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:10:16	बुध 08/06/2031

लग्न-चलित

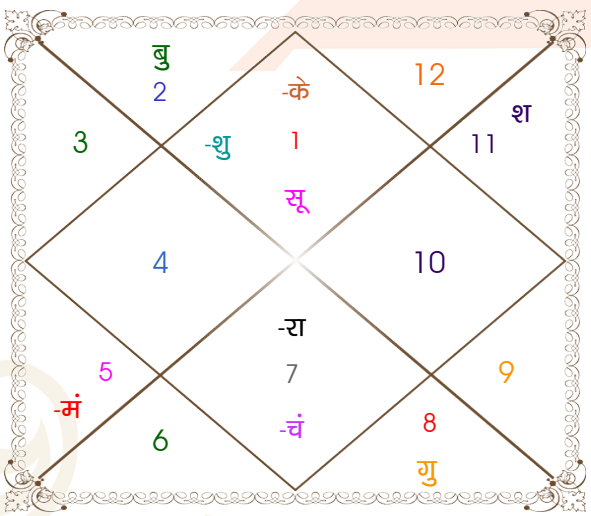

लग्न-चलित

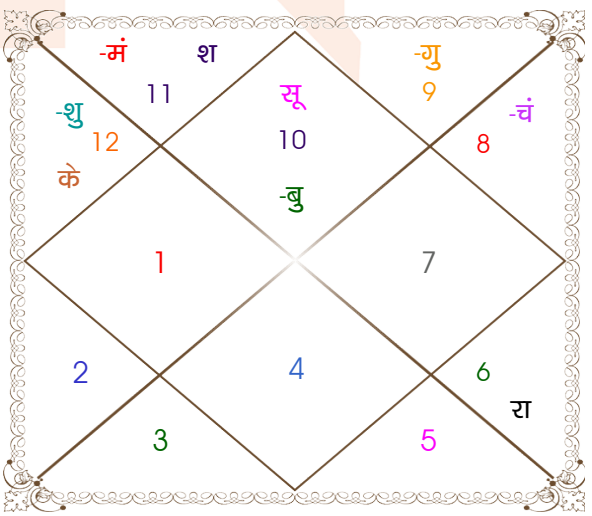

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	7.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

त्पीइी का वर्ग मृग है तथा ंतजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्पीइी और ंतजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

त्पीइी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

ंतजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्पीइी तथा ंतजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।